कोरोना वायरस के बारे में बच्चों से बातचीत | कुछ स्रोत

शेफ़ाली त्रिपाठी मेहता

तीन साल की एक बच्ची 'कोरोना' के बारे में दूसरी बच्ची को बता रही थी। बड़ी-बड़ी सतर्क आँखें खोले वह अपनी दोस्त को खेल के मैदान में नहीं जाने के लिए आगाह कर रही थी क्योंकि 'वहाँ कोरोना है'। एक रोज़ उसने तब रोना ही शुरू कर दिया जब एक व्यक्ति बिना मास्क लगाए उसके पास आया। उसके माता–पिता ने उसमें वायरस का ऐसा डर बैठा दिया था कि घर के बाहर होने पर या अकेली होने पर भी वह हमेशा चौकन्नी रहती थी। माता–पिता की यह सावधानी समझ में आती है, लेकिन जब हम एक गम्भीर स्थिति की वास्तविकता को बच्चों के सामने हौवा खड़ा करते हुए पेश करते हैं, तो हम उन्हें तार्किक समाधान निकालने और अपने डर एवं व्यग्रता को व्यक्त नहीं कर पाने से पैदा होने वाले मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक नुक़सान के प्रति असुरक्षित छोड़ देते हैं। इस विषय में, शिक्षक, माता-पिता या बड़े भाई-बहनों जैसे सभी वयस्कों को चाहिए कि वे बच्चों को इस महामारी के बारे में आयु-उपयुक्त जानकारी दें, जैसे यह महामारी क्या है और कैसे फैलती है। साथ ही उन्हें सवाल पूछने और अपनी भावनाओं को साझा करने के अवसर भी दें।

यहाँ कहानी कहने वालों, शिक्षकों और माता-पिता द्वारा *कोविड-19* महामारी के बारे में बच्चों से बात करने के लिए रचे गए साहित्य की समीक्षा प्रस्तुत है। शिक्षक इससे सीख लेते हुए बच्चों के सन्दर्भों के मुताबिक़ नई कहानियाँ रच सकते हैं। वे कक्षा में कहानी सुनाने या अन्य रोमांचक तरीक़ों, जैसे कि कठपुतलियों और रोल-प्ले के ज़रिए इन कहानियों को लेकर बच्चों के साथ काम कर सकते हैं।

प्रथम बुक्स का स्टोरीवीवर समुदाय

इस मंच की कल्पना वंचित परिवेश में रहने वाले बच्चों की मातृभाषा में पुस्तकों की पहुँच बढ़ाने के लिए की गई थी। यहाँ अधिकांश भारतीय (26) व विदेशी भाषाओं में कहानियाँ मुफ़्त उपलब्ध हैं।

कोरोनावाइरस : हम यूँ बच सकते हैं

लेखन और चित्रांकन दीपा बलसावर एवं अन्य

The Novel Coronavirus : We Can Stay Safe

Written and illustrated by Deepa Balsavar, et al.

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/128586-the-novel-coronavirus-we-can-stay-safe

कोविड-19 से प्रभावी रोकथाम के लिए एक बच्चे को अपने हाथों पर 20 सेकण्ड के लिए साबुन मलने के लिए कहना तो बहुत अच्छा है, लेकिन बच्चा 20 सेकण्ड के समय को कैसे मापेगा? इसके लिए यह क़िताब एक मज़ेदार उपाय सुझाती है, जो सभी बच्चों को पसन्द आएगा। इसमें दादी से लेकर बच्चों तक बहुत सारे पात्र हैं, जो *कोविड-19* से बचने के व्यवहारों का पालन करने के बारे में बात करते हैं, जैसे कि हाथ धोना, कोहनी में छींकना, एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी बनाए रखना, आदि। यह स्कूलों के बन्द होने, लोगों को घरों के अन्दर ही रहने और उनके अकेलेपन के बारे में भी बात करती है। कक्षा 1 व 2 के बच्चों के लिए यह एक बहुत अच्छा स्रोत है।

दिल में भी रोशनी!

लेखन : नेहा कुमार

चित्रांकन : अलीना अफयवन एवं अन्य

Lights in the Heart too!

Written by Neha Kumar

Illustrated by Alina Aphayvanh, et al.

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/127894-lights-in-the-heart-too

यह सरल कहानी जानवरों के प्रति दयालु होने, उन्हें खिलाने और उनकी देखभाल करने तथा अज्ञात वायरस के डर से उनको छोड़ न देने की बात को छूती है। बच्चों को इस बात से कुछ ढाढ़स बँधेगा कि बाक़ी बच्चे भी उन्हीं के जैसे हालात में हैं; यानी वे भी खेलने या स्कूल या बाज़ार जाने के लिए बाहर नहीं निकल सकते हैं।

कोरोना की कहानी — मैं हूँ रहीनो का भाई

लेखन : ओमप्रकाश क्षत्रिय 'प्रकाश'

चित्रांकन : फ़्लोरीना जिओत्ता एवं अन्य

Corona story: I am Rahino's brother

Written by Omprakash Kshatriya 'Prakash'

Illustrated by Floriana Giotta, et al.

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/123427-corona-story-i-am-rahino-s-brother

एक बच्चे और कोरोना वायरस के बीच बातचीत का उपयोग यह समझाने के लिए किया गया है कि कैसे एक वायरस सामान्य सर्दी–ज़ुकाम का और *कोविड-19* का भी कारण बन सकता है। बच्चों को तार्किक रूप से यह समझाना ज़रूरी है कि हाथ धोने से कैसे बचाव हो सकता है, ताकि वे इसका पालन करें और यह कहानी इस बात को बख़ूबी समझाती है। लेकिन इसमें अणुओं और हाइड्रोजन बम की संरचना का भी उल्लेख है, तो अगर यह कहानी विज्ञान का कुछ ज्ञान रखने वाले बच्चों के लिए है तो यह बहुत छोटे बच्चों को अपने साथ जोड़ पाने में विफल हो सकती है और इसके लहजे और समझाने के तरीक़े के कारण बड़े बच्चों को यह बहुत साधारण लग सकती है। अँग्रेज़ी से अनुवाद करते समय स्थानीय भाषाओं में सही शब्दावली और उच्चारण की ध्वनियों का उपयोग करना महत्त्वपूर्ण है। अतः अँग्रेज़ी के 'राइनोवायरस' का हिन्दी में लिप्यान्तरण 'रहीनो' वायरस के रूप में नहीं किया जाना चाहिए था।

आप बदलाव ला सकते हैं : कोरोना की शृंखला तोड़िए

लेखन : रिद्धि नाथ

चित्रांकन : ख़ुशबू वाला एवं लौराइसा ब्लाओ

You can make the change : Break the chain of corona

Written by Riddhi Nath

Illustrated by Khushbu Vala and Louwrisa Blaauw

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/124803-you-can-make-the-change-break-the-chain-of-corona

वायरस वास्तविकता में कैसे फैलता है, इसका एक यथार्थवादी बयान। निश्चित ही, यह बच्चों के ज़ेहन में कोरोना सम्बन्धी प्रोटोकॉल को संक्षेप में और साफ़-साफ़ बिठा देगा।

अम्मा के नाम पत्र

लेखन एवं चित्रांकन : राम्या अय्यर

A Letter for Amma

Written and illustrated by Ramya Iyer

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/132886-a-letter-for-amma

एक नौ साल के बच्चे का अपनी माँ को पत्र, जो एक नर्स है और घर से दूर है; यह कहानी उन बच्चों की मदद कर सकती है जिनके परिवार के सदस्य कोविड-राहत के प्रयासों में लगे हुए हैं, ताकि बच्चे उनके लिए जो व्यग्रता महसूस करते हैं उसे खुलकर व्यक्त कर पाएँ।

बरगद के नीचे बैठे गाँव वालों का समूह

लेखन : एस्टेला रॉड्रिगस एवं अन्य

चित्रांकन : प्रशान्त कुमार सिंह एवं अन्य

A group of villagers sitting under a banyan tree

Written by Estella Rodrigues, et al.

Illustrated by Prashant Kumar Singh, et al.

लिंक : https://storyweaver.org.in/stories/257966-a-group-of-villagers-sitting-under-a-banyan-tree

शहरों से गाँवों को लौटने वाले मज़दूरों को अपने बीच जगह देने का रास्ता खोजने के लिए कैसे एक गाँव एक-साथ आता है। हालाँकि, गाँवों में लौटने वाले इन अपने ही लोगों से डरने का एक वास्तविक कारण भी है क्योंकि वे अपने साथ संक्रमण लेते हुए आ सकते हैं। ऐसे में, यह कहानी तार्किक सोच-विचार के साथ हालात को देखने और *क्वारंटाइन* एवं *आइसोलेशन* की आवश्यकता को समझने में बच्चों की मदद करेगी। यदि कभी बड़े लोग कोविड पॉज़िटिव लोगों पर आधारहीन कलंक लगाएँ तो उनसे सवाल करने के लिए भी यह कहानी बच्चों को तैयार कर सकती है।

मेयो क्लिनिक : अपने बच्चों से कोविड-19 के बारे में कैसे बात करें

[Mayo Clinic: How to talk to your kids about COVID-19]

माता-पिता और शिक्षक इस स्रोत का उपयोग बच्चों से इस बीमारी और इसके प्रभाव के बारे में बात करने के लिए कर सकते हैं। इसमें सुझाए गए तरीक़े बच्चों को तनाव और व्यग्रता से निपटने में मदद करेंगे। इसके अन्त में एक वीडियो भी है, जो जाँच के लिए नाक में फ़ाहा डालकर नमूना लेने के बारे में समझाता है, ताकि बच्चे इसे देखें और अगर कभी ऐसी जाँच ज़रूरी हो तो वे बिल्कुल न घबराएँ।

लिंक : https://www.mayoclinic.org/diseasesconditions/coronavirus/in-depth/kids-covid-19/art-20482508

यूनीसेफ : शिक्षक बच्चों से कोरोना वायरस बीमारी के बारे में कैसे बात कर सकते हैं

[UNICEF: How teachers can talk to children about coronavirus disease]

यहाँ हर उम्र/ स्तर के बच्चों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई

है। शिक्षक को इसमें दी गई जानकारी को अपने विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और उनके सन्दर्भों के अनुरूप बनाकर उपयोग करना चाहिए।

लिंक : https://www.unicef.org/coronavirus/how-teachers-can-talk-children-about-coronavirus-disease-covid-19

कोरोना वायरस : बच्चों के लिए एक क़िताब

प्रकाशक : नोज़ी क्रो

लेखन : एलिज़ाबेथ जेनर, केट विल्सन एवं निआ रॉबर्ट्स

चित्रांकन : एलेक्स शैफ्लर

पठन : ह्यू बॉनविल

Coronavirus: A Book for Children

Published by Nosy Crow

Written by Elizabeth Jenner, Kate Wilson and Nia Roberts

Illustrated by Axel Scheffler

Read Aloud by Hugh Bonneville

नोज़ी क्रो, बाल साहित्य का प्रकाशन करने वाली एक स्वतंत्र ब्रिटिश कम्पनी है, जिसकी एक मुफ़्त ऑडियोबुक यूट्यूब [YouTube] पर है, जो कोरोना वायरस के बारे में बच्चों के लिए व्यापक जानकारी प्रदान करती है। यह एक सकारात्मक नोट पर समाप्त होती है कि यदि हम सभी कोविड के प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, तो वह दिन जल्द ही आएगा जब हम इस वायरस पर जीत हासिल कर लेंगे और इस कठिन समय को अलविदा कह देंगे।

लिंक : https://youtu.be/fCjDo9SskQU

बच्चे, वायु और कोरोना : कौन जीतता है लड़ाई?

प्रकाशक : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

लेखन : रवीन्द्र खाईवाल एवं सुमन मोर

Kids, Vaayu & Corona: Who wins the fight?

Published by Ministry of Health and Family Welfare, Government of India

Written by Ravindra Khaiwal and Suman Mor

भारतीय बच्चों के लिए एक कॉमिक बुक, जिसमें ‘वायु’ नाम का एक सुपरहीरो है; इसे विशेष रूप से बच्चों को कोरोना वायरस के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रकाशित किया गया था। यह बीमारी के बारे में जागरूकता के अलावा बच्चों को सुरक्षित रहने के तरीक़े भी बताती है। नेक इरादे के साथ और अच्छी कल्पना होने के बावजूद इसे जल्दबाज़ी में अन्जाम दिया गया। इसमें कई टाइपोग्राफ़िक ग़लतियाँ हैं। आप सोच में पड़ सकते हैं कि सारी कहानी में सुपरहीरो का लहराता लबादा अन्तिम से एक पृष्ठ पहले कहाँ ग़ायब हो जाता है और क्यों वह कभी बोलने के बुलबुले [speech bubble] तो कभी सोचने के बुलबुले [thought bubble] के ज़रिए बोलता है! लेकिन, इन सभी कमियों के बावजूद, छोटे बच्चों को सुपरहीरो का विचार रोमांचक लग सकता है और इसलिए यह क़िताब उनसे बातचीत शुरू करने का एक अच्छा माध्यम हो सकती है।

PDF: https://online.ndmc.gov.in/covid19/images/corona-comic.pdf.pdf



शेफ़ाली त्रिपाठी मेहता ‘लर्निंग कर्व’ पत्रिका की सह–सम्पादक हैं। वे अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में काम करती हैं। उनसे shefali.mehta@apu.edu.in पर सम्पर्क किया जा सकता है। **अनुवाद :** हिमालय तहसीन